कृपया प्रकाशनार्थ **25 अप्रैल 2009**

बाळासाहेब से गद्दारी करनेवाले संजय निरुपम को जनता सबक सीखा दें : श्री उद्धव ठाकरे

मुंबई, शनिवार: '' कल तक शिवसेना में रहकर राजकीय सुख भोगनेवाले संजय निरूपम आज के पक्के अवसरवादियों के जीवंत नमूना हैं. अपने स्वार्थ के हिसाब से अपनी निष्ठाएं बदलते है. जिस पार्टी ने उनको बड़ा बनाया जब उसी पार्टी और अपने राजनीतिक गॉडफादर के समान श्री बाला साहेबजी ठाकरे के प्रति ही निष्ठा नहीं दिखलाई तब वे जनता के प्रति क्या निष्ठावान रहेंगे ? जनता को इस भ्रम में नहीं पड़ना चाहिए, ऐसे लोगों को इस चुनाव में सबक सिखाना चाहिए'',ऐसा आवाहन शिवसेना के कार्याध्यक्ष श्री उद्धव ठाकरे ने किया. उत्तर मुंबई में भाजपा-शिवसेना उम्मीदवार श्री. राम नाईक के प्रचार में कल मागाठणे में हजारों की जनसमुदाय को वह संबोधित कर रहे थे.

'' आज अवसरवादी राजनीतिज्ञों से पूरा माहौल गरमाया हुआ है. आज अगर इस पार्टी से फायदा हो रहा है तो इस पार्टी में और जब उस पार्टी से फायदा हो रहा है तो उस पार्टी में लोग आ जा रहे हैं. जब सभी तरफ अवसरवादियों के काले मेघ से पूरा आसमान अंधकारमय हो रहा है, तब श्री राम नाईक जी एक आशा की किरण हैं. एक संसदीय क्षेत्र, एक झंडा और एक ही विचार लेकर चलनेवाले उम्मीदवार हैं, श्री राम नाईक.'' ऐसा भी श्री उद्धवजी ने कहा.

उत्तर मुंबई से भाजपा-शिवसेना के उम्मीदवार श्री राम नाईक के बारे में आगे बोलते हुए श्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि,'' आज जबकि लोगों के दिलों में महाराष्ट्र की अस्मिता की ज्वाला ठंडी पड़ने लगी है, तब मैं याद दिलाना चाहूँगा की श्री राम नाईक जी ने, महाराष्ट्र की अस्मिता की ज्योति को जलाए रखने के लिए अपने प्राणों की आहूति देनेवाले हुतात्माओं के हुतात्मा चौक स्थित स्मारक पर सतत मशाल जलाए रखने के लिए अपने पेट्रोलियम मंत्रित्व काल में गैस से अनवरत जलनेवाली मशाल की स्थापना करवाई. बंबई को मुंबई करवाया. ऐसे अनेक उदाहरण हैं जो श्री राम नाईक को मराठी अस्मिता के मशालवाहक साबित करते हैं.''

इस विशाल सभा को भाजपा महाराष्ट्र के अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी ने संबोधित करते कहा,'' देश के कृषि मंत्री श्री शरद पवार के गृह राज्य महाराष्ट्र में 15000 किसानों ने आत्महत्या की. वहीं भाजपा शासित पड़ोसी राज्य गुजरात में एक भी किसान ने आत्महत्या नहीं की. महाराष्ट्र में कृषि उत्पन्न दर ढाइ प्रतिशत है जबकि गुजरात में चार प्रतिशत है. गुजरात के कपास के किसान विदेशों में कपास निर्यात करते हैं और उनका कृषि उत्पन्न नौ हजार करोड़ रुपए से बढ़कर 55000 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है. ये आंकड़े यह सिद्ध करते हैं कि शरद पवार महाराष्ट्र के किसानों के प्रति कितने असंवेदनशील हो गए हैं. कृषि मंत्री श्री शरद पवार कृषि मंत्री से ज्यादा क्रिकेट मंत्री हो गए हैं. उनकी दिलचस्पी देश की कृषि से ज्यादा चियर गर्ल्स में है.''

मुंबई के विकास पर टिप्पणी करते हुए श्री गडकरी ने कहा कि,'' मुंबई भाजपा-शिवसेना के शासनकाल में वरली सी लिंक का शिलान्यास श्री बाला साहेब के हाथों संपन्न हुआ था. उस समय इस प्रकल्प की लागत 420

करोड़ थी. पर कांग्रेस सरकार के आते ही यह योजना कछुआ चाल चलने लगी और इस प्रकल्प की लागत बढ़कर 17000 करोड़ रुपए तक पहुंच गई. आज कांग्रेस द्वारा महाराष्ट्र में राज करते हुए दस साल हो गए पर अभी तक वरली सी लिंक पूरा नहीं हुआ है. दोस्तों मुंबई के विकास के लिए कहीं बाहर से पैसा लाने की जरूरत नहीं. मुंबई अपने आप में सक्षम है. बस इच्छा शक्ति की जरूरत है.''

सभा को संबोधित करते हुए उत्तर मुंबई के भाजपा-शिवसेना उम्मीदवार श्री राम नाईक ने महंगाई और रेलवे की समस्या पर बोलते हुए कहा कि, '' इस चुनाव में कमरतोड़ महांगाई से परेशान जनता को महंगाई लानेवाली कांग्रेस सरकार की कमर तोड़नी चाहिए''

मुंबई भाजपाध्यक्ष और स्थानिक विधायक श्री गोपाळ शेट्टी ने भी उत्तर मुंबई के विकास के लिए श्री राम नाईक के हाथ उत्तर मुंबई की बागडौर सौंपने का आवाहन किया. अन्य वक्ताओं में उत्तर मुंबई भाजपाध्यक्ष नगरसेवक श्री योगेश सागर, मुंबई की महापौर सौ.शुभा राऊल, शिवसेना विभागप्रमुख श्री विनोद घोसाळकर, शिवसेना उपनेता श्री दिलीप नेरूलकर प्रमुख थे. मंच पर अन्य उपस्थितों में शिवसेना -भाजपा के उत्तर पश्चिम से उम्मीदवार श्री गजानन कीर्तिकर, भाजपा मुंबई के उपाध्यक्षद्वय श्री जयप्रकाश ठाकुर व श्री रमेश मेढेकर, महिला मोर्चा अध्यक्षा श्रीमती विंदा कीर्तिकर, प्रभाग समिती अध्यक्षद्वय श्री. शिवकुमार झा व श्री भालचंद्र म्हात्रे, नगरसेवक सर्वश्री मोहन मिठबावकर, प्रवीण शहा, प्रकाश कारकर, श्रीमती अपर्णा नार्वेकर, आदि नेता उपस्थित थे. सभा का संचालन भाजपा के श्री गणेश खणकर ने किया. तो आभार शिवसेना के श्री विजय वालावलकर ने प्रकट किए.

(विनोद शेलार)

प्रचार प्रमुख

भ्रमणध्वनी : 9867689540